Antarvasna
अन्तर्वासना

मेरा गुप्त जीवन- 162

“पूनम की भाभी को गर्भ नहीं ठहर रहा था तो कम्मो के कहे अनुसार भाभी को सन्तान देने के लिये उनकी चूत चुदाई का कार्यक्रम चल रहा थ कि पूनम के भैया आ गये। …”

Story By: यश देव (yashdev)
Posted: सोमवार, अप्रैल 18th, 2016
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: मेरा गुप्त जीवन- 162

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा गुप्त जीवन- 162

पूनम और उसकी भाभी की चुदाई

मैंने भी उसके मोटे चूतड़ों को हल्के से मसल दिया और भाभी के गोल और उभरे हुए स्तनों को अपनी छाती पर महसूस किया।
कॉलेज से वापस आया तो कम्मो मुझको बैठक में मिल गई और भाभी के बारे में ही बात करने लगी, खाना खाते हुए कम्मो ने भाभी की सारी बात बताई।

कम्मो ने बताया कि भाभी का भैया के साथ अच्छे सम्बन्ध हैं और वो दोनों एक दूसरे से काफी खुश हैं। लेकिन उनके घर में बच्चा नहीं हो रहा है क्यूंकि भैया के कीड़े ज़्यादा ठीक नहीं हैं। दूसरे वो बता रही थी भाभी ने भी अपना टेस्ट करवाया था योनि का और गर्भाशय का और वो भी ठीक पाये गए थे।

कम्मो के अनुसार वैसे देखने में दोनों ही सही हैं लेकिन भैया के कीड़े पूरी तरह से ठीक ना होने के कारण भाभी गर्भ धारण नहीं कर पा रही है।

कम्मो कुछ देर सोचने के बाद बोली- छोटे मालिक, अगर भाभी चाहे तो वो अपना गर्भाधान करवा सकती है और मुझको पूरा विश्वास है वो गर्भवती हो जायेगी।
मैं बोला- तो फिर तुम्हारा क्या विचार है?
कम्मो बोली- तुम आज रात को भाभी का गर्भधान कर दो, हो सकता है भाभी की इच्छा पूर्ण हो जाए।

मैं बोला- तुम पहले भाभी से पूछ लो तभी आगे कदम बढ़ायेंगे, कहीं ऐसा ना हो कि पूनम को पता चल जाए और वो खामख्वाह में भाभी से नाराज़ हो जाए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कम्मो बोली- हाँ, यह तो ठीक है, मैं भाभी से फिर पूछ लेती हूँ।

मैं अपने कमरे में कुरता पायजामा पहन कर लेट गया और थोड़ी देर में मैं गहरी नींद में सो गया।
कोई आधे घंटे के बाद मुझको लगा कि कोई और मेरे साथ सोया हुआ है।
मैंने गौर से देखा तो वो पूनम ही थी और मेरे लंड के साथ खेल रही थी।

उसने मेरा पजामा नीचे खिसका दिया था और मेरे लौड़े को खड़ा करके उसको अपने होठों में लेकर चूसने का प्रयास कर रही थी, लेकिन मेरा मोटा लण्ड उसके मुंह में पूरा समा नहीं रहा था तो अपने हाथों का भी इस्तेमाल कर रही थी।

अब उसने अपना एक हाथ अपनी सलवार के अंदर डाला हुआ था और धीरे धीरे वो अपनी भग को भी मसल रही थी और साथ में मेरा लौड़ा भी चूस रही थी।

मैंने उसको छुआ और पूछा- यह क्या हो रहा है पूनम जी ?
पूनम बोली- मैं अपने मालिक से प्यार कर रही हूँ और क्या ?
मैंने हैरानगी जताते हुए कहा- यह तुम्हारा मालिक कब से बन गया री ? तुम्हारा मालिक तो अपने लण्ड की रोज़ मालिश कर रहा होगा मैडम जी !
पूनम हँसते हुए बोली- मेरा असली मालिक तो यही है ससुर, जिसने पहले मेरी गुफा का उद्घाटन किया।

मैं भी हँसते हुए बोला- लेकिन तुम तो अपना मालिक बदल बैठी हो और वो जल्दी ही तुम्हारी गीली फिसलन से भरी गुफा का नया मालिक बनने वाला है।
पूनम मुझको आँख मार कर बोली- जब वो बनेगा तब देखा जाएगा लेकिन अभी तो तुम मालिक हो तो आ जाओ एक बार कुश्ती कर लेते हैं ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं बोला- क्या बकवास कर रही हो, घर में सब हैं तुम्हारी भाभी और दूसरी चुदक्कड़ भाभियाँ और कुंवारी कन्याएँ ! उनके होते हुए हम कैसे चुदाई कर सकते चंदनपुर की हसीना !!!
पूनम हँसते हुए बोली- वो सब तो शॉपिंग करने गए हैं, सिर्फ होने वाली दुल्हनिया अपने चोदू यार के साथ घर में अकेली है इस वक्त !
मैं खुश होकर बोला- तो फिर आ जा ऐ मेरे यार, हो कर तैयार, खोल दे सब कुछ अपना, बंद कर देखना सपना, नहीं तो हो जायेगा वार ऐ मेरे यार !

पूनम खुश होकर बोली- तो चलो फिर नहाने, चोद दो मुझ को इसी बहाने।

पूनम भाग कर बाथरूम में घुस गई और मैं भी उस के पीछे पीछे घुस गया और दोनों ने एक दूसरे के कपड़े उतार दिए और और फिर तेज़ चलते शावर के नीचे गर्म जफ्फी डाल कर नहाने लगे।
नहाते हुए ही पूनम मेरी गोद में चढ़ बैठी और अपनी दोनों टांगें मेरी कमर के इर्द गिर्द कर के चुदवाने लगी।

मैं तो खड़ा रहा लेकिन पूनम ही शावर के नीचे मेरी गोद में मेरे खड़े लण्ड पर आगे पीछे होने लगी।
मेरे दोनों हाथ उसके चूतड़ों के नीचे थे और पूनम के हाथ मेरे गले में थे।
लंड और चूत के बीच पानी की गहरी धार पड़ रही थी और हम दोनों ठन्डे और गर्म का मिलाजुला स्वाद ले रहे थे।

धीरे धीरे पूनम की लण्ड पर सवारी की स्पीड तेज़ होती गई और मैं उसको बरसते पानी से बाहर निकाल लाया।
तब पूनम मुझको कस कर जफ्फी मारने लगी और नीचे से उस की चूत में काफी हलचल होने लगी और मुझ को समझते देर नहीं लगी कि छोटे से शहर चंदनपुर की हसीना की चूत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

में आया है पसीना।

पूनम के झड़ने के बाद हम दोनों काफी देर बाथरूम में एक दूसरे की बाहों में जकड़े खड़े रहे और काफी देर ऐसे ही खड़े रहते अगर बाहर से कम्मो की आवाज़ सुनाई ना देती तो।

मैं तौलिया लपेटे ही बाहर निकला और दरवाज़ा खोला तो कम्मो मुस्कराते हुए खड़ी थी और एकदम जल्दी से बोली- जल्दी करो छोटे मालिक, वो सब आ गई हैं और पूनम का ही पूछ रही हैं।

इतने में पूनम भी कपड़े पहन कर बाहर आ गई और वो कम्मो के साथ नीचे चली गई। मैं भी तैयार हो कर नीचे पहुंच गया और सब लड़कियाँ मुझको अपनी शॉपिंग दिखलाने लगी।

ऐसा करते हुए वो मेरे अंगों पर हाथ लगाए बगैर नहीं रहती थी और अपने अंग भी मेरे शरीर के साथ छूने की पूरी कोशिश करती थी।
मैं बाद में काफी देर तक इन लड़कियों के व्यवाहर पर सोचता रहा और आखिर में इस नतीजे पर पहुंचा कि जहाँ भी इतनी गायों के साथ अकेला सांड होगा वहाँ ऐसा होना पूरी तरह से संभव है।

रात को भाभी कम्मो के साथ मेरे कमरे में आई लेकिन मैंने ही कहा कि इस कमरे में ऊपर रह रही सब लड़कियाँ और भाभियाँ अक्सर आती रहती हैं सो यह जगह सेफ नहीं है।
इसलिए भाभी के कमरे में ही चलते हैं और वहीं करेंगे जो कुछ भी करना है।

भाभी हम सबको लेकर अपने वाले कमरे में आ गई और कम्मो ने मेरे कमरे को ऑटो लॉक कर दिया।
कम्मो बोली- मैंने भाभी को सब समझा दिया है और उसकी इच्छा है कि गर्भादान की कोशिश कर देखते हैं, अगर हो जाए तो बहुत अच्छा है अगर नहीं तो भैया का इलाज

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करवा लिया जाएगा।

वैसे भाभी के लिए आज और कल की रात दोनों रातें गर्भाधान के लिए उपयुक्त समय है तो मैं सोचती हूँ आज और कल दो बार कोशिश कर लेते हैं, क्यों भाभी ?
मैं बोला- वो तो सब ठीक है लेकिन पूनम रानी को नहीं पता चलना चाहिए, नहीं तो वो बड़ा बावेला मचाएगी।

हम भाभी के कमरे में पहुंचे तो कम्मो रसोई से दोनों के लिए स्पेशल दूध लेकर आई और हम को वो दूध पीने के लिए मजबूर किया।
भाभी ने मेरे वस्त्र उतार दिए और मैंने भाभी के और कम्मो स्वयं भी नग्न हो गई।
भाभी का पूरा नाम शकुंतला था लेकिन सब उसको शकुन भाभी के नाम से जानते थे।

भाभी का शरीर एकदम गोल्डन था और उसके चेहरे पर एक बहुत ही सुन्दर हल्की लालिमा छाई हुई थी और उसके शरीर के सारे अंग साँचे में ढले हुए लग रहे थे।
उनकी चूत पर हल्के भूरे बाल थे जो उनकी गोल्डन बॉडी से मिलता जुलता था।

मैंने दो तीन बार भाभी के पूरे शरीर को देखा और हर बार वो मुझको अति सुन्दर लगा।
भाभी के स्तन गोल और सॉलिड लग रहे थे और वो बेहद तने हुए लग रहे थे जिसका मतलब था कि भाभी के स्तनों का ख़ास इस्तेमाल नहीं हुआ था।

उन्नत उरोज, गोल नितम्ब, स्पाट पेट, गोल संगमरमर के स्तम्भ जैसी जांघें और टांगें और उनके ठीक बीच में भूरे बालों से ढकी गोल्डन चूत !
यही था भाभी का लुभावना रूप !

उनकी चूचियाँ भी भूरे रंग की थी और वो पूरी तरह से खड़ी हुई थी जैसे अभी ही किसी ने उनको चूसा हो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह देख कर मैं जल्दी से आगे बढ़ा और भाभी को लबों पर एक चुम्मी जड़ दी और साथ में उनके स्तनों को हाथ में लेकर मसलने लगा।

यह देख कर अब कम्मो भी आगे बढ़ी और भाभी को एक हॉट जफ्फी मार दी और उसके गोल्डन शरीर की बड़ी तारीफ की।
फिर कम्मो शकुन भाभी को बिस्तर की तरफ ले गई और उसको वहाँ लिटा दिया और फिर वो भाभी की टांगों को चौड़ी करके अपने मुंह से उनकी चूत को चूसने लगी और उनकी भग के साथ भी जीभ से खेलने लगी।

भाभी ना ना करती रही लेकिन कम्मो ने भाभी के चूतड़ों के नीचे हाथ रख कर उसकी चूत को चूसना जारी रखा।
थोड़ी देर बाद भाभी को अब बहुत ही अधिक मज़ा आने लगा इस लेसबो खेल से, तो उन्होंने कम्मो का सर अब ज़ोर से अपनी चूत में डाल कर दबा दिया और अत्याधिक आनंद के कारण वो अपना सर इधर से उधर मारने लगी।

जल्दी ही कम्मो की चूत चुसाई से वो स्खलित हो गई।
भाभी कम्मो से बोली- भाभी के स्खलित होते ही मैं उनकी बगल में लेट और कम्मो अब उनके मम्मों को पूरी लगन से चूसने लगी और मुझ को इशारा किया कि मैं भाभी के ऊपर चढ़ जाऊँ।

शकुन भाभी लेटी हुए ही अपनी टांगें ख़ूब चौड़ी कर दी और मेरे लोहे के समान गरम लंड को अपनी फूली हुई चूत के अंदर जाते हुए महसूस करती रही।
उसकी चूत उठ उठ कर उसका स्वागत कर रही थी और मेरे हर धक्के का पूरा जवाब अपने चूतड़ों को उठा उठा कर दे रही थी।

अब कम्मो ने भाभी के मम्मों को छोड़ दिया और उसके लबों को चूमने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस दोहरी लेस्बो और लंड की चुदाई से भाभी फिर से अति गर्म हो गई।
कम्मो उठ कर अपने दूसरे काम को करने की तैयारी करने लगी और मैं फुल स्पीड से शकुन भाभी की चुदाई में जुट गया।

लंड के अंदर बाहर की स्पीड को और भी तेज़ करते हुए मैं लंड से गर्भाशय की मुंह की तलाश करने लगा। कुछ क्षण की कोशिश से मुझ को और मेरे लंड को भाभी के गर्भ का मुंह मिल गया।
अब मैंने आखिरी धक्के मारने शुरू कर दिए और भाभी फिर एक बार फिर झड़ गई और झड़ने के साथ ही उसने मुझको अपनी बाहों में कस के बाँध लिया और फिर वो चूतड़ उठा कर मेरे लौड़े से चिपक गई।

जब शकुन भाभी का छूटने का आवेग कुछ कम हुआ तो मैंने यह समय उचित जान कर अपनी लंड वाली पिचकारी भाभी के गर्भ के मुंह के अंदर छोड़ दी।

कुछ देर मैं भाभी के ऊपर ही लेटा रहा और तब तक कम्मो ने भाभी के चूतड़ों को ऊपर उठा कर उनके नीचे एक मोटा तकिया रख दिया।
कम्मो के इशारे पर मैं भाभी के ऊपर से उठ गया, मैं अपने टपकते हुए लंड को तौलिए से साफ़ करने लगा।

लंड को साफ़ करने के बाद मुझे कम्मो की उभरी हुई गांड दिख रही थी, मैं ने आगे बढ़ कर अपने लंड को कम्मो की चूत में पीछे से डाल दिया।
कम्मो ने मुड़ कर देखा और मुस्करा कर मेरे इस आक्रमण का स्वागत किया।

मैं धीरे धीरे कम्मो को पीछे से चोदने लगा, हल्की चुदाई के कारण कम्मो को अपने भाभी के काम में भी कोई अड़चन नहीं आई।
मेरी कम्मो की चुदाई अभी जारी ही थी कि भाभी आँखें बंद कर के लेट गई और कम्मो ने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसकी चूत के ऊपर तौलिए को रखे रखा और अब भाभी भी कम्मो की पीछे से चुदाई बड़े चाव से देखने लगी।

शकुन भाभी की आँखें फटी की फटी रह गई जब उसने देखा कि मैं उसकी चुदाई के बाद भी कम्मो की चुदाई पूरे जोश खरोश के साथ कर रहा हूँ।

कम्मो भी अब पीछे से चुदाई का आनन्द लेने लगी और थोड़ी देर के धक्कों में ही वो बहुत ही तीव्रता से झड़ गई।
अब मैं अपने खड़े लौड़े के साथ उन दोनों के बीच में लेट गया।
शकुन भाभी का हाथ अपने आप मेरे लंड से खेलने लगा।

थोड़ी देर बाद कम्मो ने हम दोनों को कहा कि अगली चूत लंड की लड़ाई के लिए तैयार हो जाएँ।
कम्मो अब भाभी के मम्मों को चूसने लगी और भाभी मेरे लंड को मुंह में लेकर काफी अंदर तक ले गई।

कम्मो भाभी के मम्मों के साथ उनकी चूत में भी ऊँगली करने लगी और उनकी भग को भी धीरे धीरे मसलने लगी जिससे भाभी पूरी तरह से कामवासना से ओत प्रोत हो गई।
अब कम्मो ने भाभी को घोड़ी बनने के लिए कहा और मुझको भाभीनुमा घोड़ी की सवारी के लिए बुला लिया।

भाभी की फूली हुई चूत घोड़ी बनते ही एकदम से उभर कर सामने आ गई और मैंने निशाना साध कर लंड को भाभी की चूत में धीरे से डालना शुरू कर दिया।
दो चार धक्कों में लंड पूरा जड़ तक चूत के अंदर समा गया और मैंने भाभी की चुदाई धीरे धीरे से करनी शुरू कर दी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आहिस्ता आहिस्ता चुदाई की स्पीड तेज़ करता गया और ख़ास तौर से पूरा लंड निकाल कर फिर धीरे से फिर पूरा अंदर डालने की प्रक्रिया भी करने लगा जो भाभी की चूत ने बहुत ही पसंद किया।

थोड़े समय की लण्ड घिसाई के बाद ही भाभी को बड़ा ही अधिक आनन्द आने लगा और कम्मो ने मुझ को इशारा किया कि स्पीड तेज़ करो और अब मैंने अति तीव्र धक्कों को शुरू कर दिया।

मैंने साथ साथ ही भाभी के गर्भ के मुंह को भी निश्चित कर लिया था और मैं भाभी के स्खलित होने के बाद अपने भी आखिरी धक्कों पर था।
अचानक कमरे का दरवाज़ा खुला और भैया जल्दी से अंदर आ गए और उनके मुंह से भाभी का नाम निकल ही नहीं पाया था कि वो कमरे का नजारा देखा कर आश्चर्यचकित हो गए और उनका मुंह खुले का खुला ही रह गया।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मेरे वीर्य जो छूटने ही वाला था वो डर के मारे एकदम तेज़ पिचकारी के रूप में निकल गया और भाभी की अंजान चूत को सराबोर करने लगा।
भाभी अभी भी अंजान थी कि भैया अंदर आ चुके हैं और सब कुछ बड़ी हैरानी से देख रहे थे।
उनका मुंह आश्चर्य से खुला का खुला ही रह गया और वो यह समझ नहीं पा रहे थे कि यह सब क्या हो रहा था।

सिर्फ मैं और कम्मो ही भैया की सारी हरकतों को देख भी रहे थे और उनको समझ भी पा रहे थे।
अब कम्मो जो मेरे पीछे छुपी हुई थी वो सामने आ गई और उसकी नग्नता को देख कर भैया और कंफ्यूज हो गए।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भैया की आँखें पूरी तरह से नग्न कम्मो के शरीर पर ही केंद्रित हो गई थी, वो उसके सुन्दर और सेक्सी शरीर को देखने में ही मग्न हो गए थे।
तब तक मैं भाभी की गांड से नीचे उतर कर कम्मो के पीछे खड़ा हो गया और अपने खड़े लण्ड को वहाँ पास में पड़े कपड़े से ढक लिया।

उम्मीद के खिलाफ भैया बड़े धीरे और शांत स्वर से बोले- शकुन यह सब क्या हो रहा है ?

कहानी जारी रहेगी।

ydkolaveri@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

IPE
INDIAN PORN EMPIRE

Other sites in IPE

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Antarvasna Hindi Stories

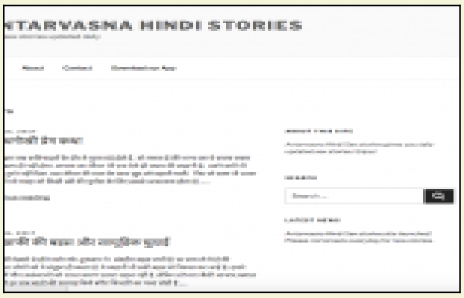

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Velamma

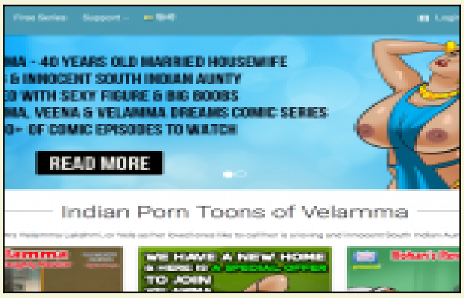

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Malayalam Sex Stories

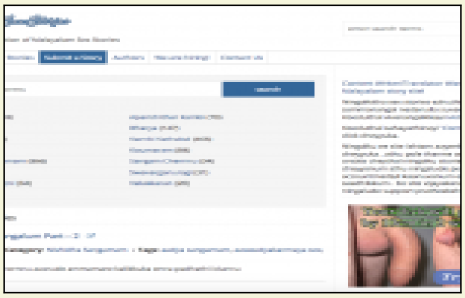

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Kirtu

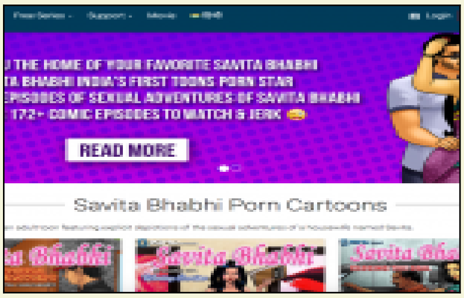

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Suck Sex

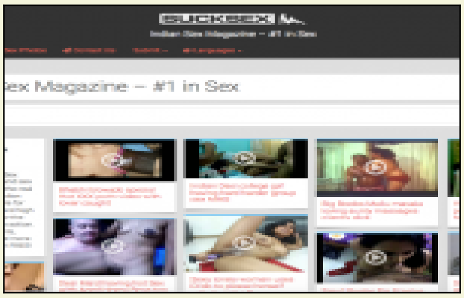

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire